पाठ्यक्रम
बी.ए.-1 सत्र(2024-25, 2025-26, और 2026-27)
सेमेस्टर-1
हिंदी साहित्य ((BHINDI 116)
5 क्रेडिट (4 लेक्चर+1 टयूटोरियल)

समय: 3 घण्टे

पूर्णांक-100
लिखित परीक्षा: 70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन: 30 पास प्रतिशत:35
पास अंक: लिखित में 25
आंतरिक में: 11

नोटः सप्ताह में छह पीरियड में से दो पीरियड कम्पोजीशन को दिए जायेंगे, जिनमें विद्यार्थियों की संख्या 7-10 तक रहेगी। शेष चार पीरियड टैक्स्ट को दिए जायेंगे।

उद्देश्यः-

1. हिन्दी साहित्य में रुचि पैदा करना।

2. हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं का ज्ञान प्रदान करना।

3. विद्यार्थियों के बौद्धिक और सामाजिक ज्ञान में अभिवृद्धि करना।

अधिगम प्रतिफल

1. विद्यार्थियों ने विभिन्न जीवन मूल्यों का संचार होगा।

2. उपन्यास विधा के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होगा।

3. साहित्य में रुचि पैदा होगी

पाठ्यक्रम
खण्ड-क

इस खण्ड के निम्नानुसार दो भाग होंगे:

1.हिंदी साहित्य का इतिहास (केवल आदिकाल)। आदिकाल का नामकरण, परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, चंदबरदाई और उनके पृथ्वीराज रासो की प्रमाणिकता/ अप्रमाणिकता ।

2. संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, क्रिया-विशेषण (केवल परिभाषा और भेद उदाहरण सहित)

खण्ड-ख

इस खण्ड के निम्नानुसार दो भाग होगे:-

1 दीपिका (आधुनिक हिन्दी काव्य): (सम्पा) डॉ. हेमराज निर्मम,पब्लिकेशन ब्यूरो, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला

निर्धारित उपरोक्त पुस्तक में से निम्नलिखित कवियों की निर्धारित कविताएं

1. जयशंकर प्रसाद	:	आंसू, प्रेम पथिक
2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	:	भिक्षुक, विधवा
3. सुमित्रानंदन पंत	:	ताज, भारत माता
4. अज्ञेय	:	मेरा चेहरा उदास, सवेरे उठा तो
5.सर्वेश्वरदयाल सक्सेना	:	विगत प्यार, पोस्टर और आदमी
6. केदारनाथ सिंह	:	फागुन का गीत, शारद प्रात:
2 थके पांव (उपन्यास)	**:**	भगवतीचरण वर्मा, राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली।

खण्ड-ग

उपर्युक्त समूचे पाठ्यक्रम में से (व्याकरण को छोड़कर) 11 लघु उत्तरीय प्रश्न बिना विकल्प के पूछे जाएंगे।

(विद्यार्थियों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश)

1 यह प्रश्न-पत्र तीन भागों में विभाजित होगा।

2. भाग एक में निर्धारित पाठ्यक्रम के खण्ड-क में से दो प्रश्न हिन्दी साहित्य का इतिहास और दो प्रश्न व्याकरण में से 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न समग्र रूप से 12 अंको का होगा।

अंक : 12x2=24

3 .भाग दो के दो उपभाग होंगे। पहले उपभाग में निर्धारित पाठ्यक्रम के खण्ड ख में निर्धारित कृतियों में से व्याख्याओं से सम्बन्धित 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछे जाएंगे. जिनमें से विद्यार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। परीक्षक इस बात का ध्यान रखें कि एक प्रश्न के अन्तर्गत दो व्याख्याएं पूछनी अनिवार्य हैं। दूसरे उपभाग में निर्धारित पाठ्यकम के खण्ड-ख में निर्धारित कृतियों में से 'अथवा 'रूपी विकल्प के साथ दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

अंक 12x2=24

4. भाग तीन में पूरे पाठ्यक्रम में से 11 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा ।

अंक 11x2=22

आंतरिक मूल्यांकन के लिए कुल 30 अंकों का विभाजन निम्न प्रकार से है:-

कुल अंक: 30
Attendance-05
Assignment/ Project - 10
Two mid Sem. Exam*-15

* Average of both Mid-sem/Internal Exams

पाठ्यक्रम
बी.ए.-1 सत्र(2024-25, 2025-26, और 2026-27)
सेमेस्टर-2
हिंदी साहित्य (BHINDI 126)
5 क्रेडिट (4 लेक्चर+1 टयूटोरियल)

समय: 3 घण्टे

पूर्णांक-100
लिखित परीक्षा: 70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन: 30 पास प्रतिशत:35
पास अंक: लिखित में 25
आंतरिक में: 11

नोटः सप्ताह में छह पीरियड में से दो पीरियड कम्पोजीशन को दिए जायेंगे, जिनमें विद्यार्थियों की संख्या 7-10 तक रहेगी। शेष चार पीरियड टैक्स्ट को दिए जायेंगे।

उद्देश्य:-
1. साहित्य के भक्तिकाल के आलोक में समाज और संस्कृति के महत्त्व से अवगत करवाना।
2. हिन्दी भाषा के रचनात्मक पक्ष से परिचित करवाना।
3. विद्यार्थियों में भाषा और साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

अधिगम प्रतिफल :-
1. विद्यार्थी हिन्दी भाषा के विभिन्न रचनाकारों की सामाजिक भूमिका समझेंगे।
2. विद्यार्थी हिन्दी साहित्य की विधाओं से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थी हिन्दी भाषा की भाविक-संरचना को समझेंगे।

पाठ्यक्रम
खण्ड-क

इस खण्ड के निम्नानुसार दो भाग होंगे-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास (केवल भक्तिकाल) भक्तिकाल की परिस्थितियां, प्रवृत्तियाँ, चारों शाखाओं के प्रतिनिधि कवि-कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास के काव्य की विशेषताएँ। भक्तिकाल-स्वर्णयुग।

2 मुहावरे, लोकोक्तियां (अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग करें) शुद्ध-अशुद्ध, पर्यायवाची. विपरीतार्थक शब्द, अनेकार्थक शब्द (कुल छह अंश)

खण्ड-ख

इस खण्ड के निम्नानुसार दो भाग होंगे:-

1. सात कहानियाँ (संपा), ईश्वरदास जौहर (सभी कहानियाँ), पब्लिकेशन ब्यूरो, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला।
2. कर्बला (नाटक) प्रेमचंद, सम्पा, सुधा जितेन्द्र, शिव बुक्स इण्टरनेशनल पब्लिकेशन्स, दिल्ली

खण्ड-ग

उपर्युक्त समूचे पाठ्यक्रम में से (व्याकरण को छोड़कर) 11 लघु उत्तरीय प्रश्न बिना विकल्प के पूछे जाएंगे।

विद्यार्थियों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न-पत्र तीन भागों में विभाजित होगा।

2. भाग एक में निर्धारित पाठ्यकम के खण्ड-क में से दो प्रश्न हिन्दी साहित्य का इतिहास
और दो प्रश्न व्याकरण में से अथवा रूपी विकल्प के साथ कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न समग्र रूप से 12अंकों का होगा। अंक 12x2=24

3. भाग-दो के दो उपभाग होंगे। पहले उपभाग में निर्धारित पाठ्यक्रम के खण्ड ख में निर्धारित कृतियों में से 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। दूसरे उपभाग में निर्धारित पाठ्यकम के खण्ड-ख में निर्धारित कृत्ति में से 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ दो व्याख्या से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किसी एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा। परीक्षक इस बात का ध्यान रखें कि व्याख्या वाले एक प्रश्न के अन्तर्गत दो व्याख्याएं पूछनी अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा।

अंक 12x2=24

4. भाग तीन में पूरे पाठ्यक्रम में से 11 अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगें। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा।

अंक 11x2=22

आंतरिक मूल्यांकन के लिए कुल 30 अंकों का विभाजन निम्न प्रकार से है:-

कुल अंक : 30
Attendance-05
Assignment/ Project - 10
Two Mid Sem. Exam* - 15

* Average of both Mid-sem/Internal Exams